1	2	3	4		
June	1,18,171	1,24,908	5.7		
July	1,48,255	1,68,969	14.0		
August	1,36,917	1,59,519	16.5		
September	1,25,693	1,33,995	6.6		
October	1,65,048	1,07,609	34.8		
November	1,88,877	1,56,926	16.9		
December	2,14,408	2,19.5079	2.4		
TOTAL	17,64,830	18,86,433	7,31,064(P)	6.9	3.8

P: Provisional.

एअर इंडिया के सामान्य बिक्री एजेंट

6848. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में मद्रास बम्बई, कलकत्ता और दिल्ली में एयर इंडिया के कितने सामान्य बिक्री एजेंट हैं ;

(ख) इस संबंध में ब्यौरा क्या है और उनकी नियुक्ति की तिथि-सीमा और विदेशों में उनके कार्यालयों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान उक्त एजेंटों द्वारा कितना लाभ अर्जित किया गया ;

(घ) उसमें से उन्होंने प्रत्येक वर्ष इस देश को कितनी-कितनी धनराशि भेजी है ;

(ङ) क्या यह सच है कि उक्त एजेंटों द्वारा बड़े पैमाने पर धांधली की जा रही है और उनका कारोबार काफी घाटे में चल रहा है ; और

(च) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान प्रति वर्ष उक्त एजेंटों को कितना घाटा हुआ था या उनके द्वारा कितना घाटा दिखाया जा रहा है ;

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) एयर इंडिया ने कलकत्ता मद्रास और बंबई शहरों के लिए कोई सामान्य विक्रय एजेंट नियुक्त नहीं किए हैं। मैं० जनता ट्रेवल लि० जिन्हें हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और चण्डीगढ़ के लिए 11-8-78 से यात्री सेल्स और 11-8-90 से काम सेल के लिए सामान्य/विक्रय एजेंट नियुक्त किया गया था, इसे दिल्ली भी नामित क्षेत्र के रूप में दिया गया था। 18-4-95 से दिल्ली से सौंपे गए क्षेत्र को सामान्य विक्रय एजेंटों से हटाने के लिए नोटिस जारी किया गया था। मैं० जनता ट्रेवल प्राइवेट लि० का विदेश में कोई कार्यालय नहीं है।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान मैसर्स जनता ट्रेवल्स प्राइवेट लि० द्वारा अर्जित लाभ को नीचे दर्शाया गया है :—

	रुपये
1990-91	49,739.28
1991-92	2,67,496.56
1992-93	3,38,854.22

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) सामान्य विक्रय एजेंटों ने हानियों की सूचना नहीं दी है।

(च) : यह प्रश्न नहीं उठता ।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना

6847. **श्री संघ प्रिय गौतम :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना में कौन-कौन सी कार्य योजनाएं शामिल की गयी हैं और इस प्रयोजनार्थ कितनी धन-राशि उपलब्ध कराई गई है ;

(ख) उसका जिलावार ब्यौरा क्या है ;

(ग) सरकार को प्रतिवर्ष राज्य में आने वाले विदेशी पर्यटकों से कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है ; और

(घ) इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं का ब्यौरा क्या है और किन-किन स्थानों पर यह सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेंगी ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) और (ख) भारत सरकार ने सम्पूर्ण भारत में पर्यटन का संवर्धन और विकास करने के उद्देश्य से वर्ष 1992 में एक राष्ट्रीय कार्य योजना बनाई थी। उत्तर प्रदेश राज्य सहित पूरा देश इस कार्य योजना में शामिल किया गया हैं। तथापि, केन्द्रीय पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त पूर्ण और उपयुक्त प्रस्तावों के आधार पर आठवीं पंचवर्षीय योजना के पहले तीन वर्षों के दौरान 416.44 लाख लाख रु० की अनुमानित लागत की 30 परियोजनाएं/स्कीमें स्वीकृत की हैं ।

(ग) पर्यटन से राज्य-वार अर्जित आय का मूल्यांकन करने की कोई प्रणाली नहीं है क्योंकि पर्यटकों से होने वाली आय सेवाएं प्रदान करने वाले प्राप्त करते हैं जो कि प्राय: निजी क्षेत्र के होते हैं। तथापि पर्यटन से वर्ष 1994-95 के दौरान विदेशी मुद्रा आय का अनन्तिम अनुमान 7365.61 करोड़ रु० है।

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम तीन वर्षों के दौरान प्रदान की गई पर्यटन सुविधाओं का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

उत्तर प्रदेश राज्य के लिये आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं/स्कीमें

क्रम सं०	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशी (रु० लाखों में)
	1992-93	
1.	नन्दप्रयाग में तम्बुओं में आवास का निर्माण	6.38
2.	निम्न पर मोडल केन्द्रों का निर्माण	
	(1) अगस्त मुनि (स्थान चांदनगर में शिफ्ट कर दिया गया है)	10.36
	(2) हेलांग (स्थान विराही में शिफ्ट कर दिया गया है)	10.41